भारत सरकार

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय

(खेल विभाग)

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 4321

उत्तर देने की तारीख 29 मार्च, 2022

8 चैत्र, 1944 (शक)

खेल महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय

4321. श्री दुर्गा दास उइके:

श्री गजेन्द्र उमराव सिंह पटेल:

क्या युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या ग्राम स्तर पर खेलकूद के मैदान हेतु कोई पृथक योजना सरकार के विचाराधीन है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या महाविद्यालयों में खेलों को बढ़ावा देने के लिए कोई पृथक योजना विचाराधीन है;

(ग) क्या अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलों को बढ़ावा देने के लिए एक अलग खेल विश्वविद्यालय या खेल महाविद्यालय स्थापित करने की सरकार की कोई योजना है यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या पारंपरिक खेलों को अंतरराष्ट्रीय मान्यता दिलाने के लिए ऐसे खेलों को बढ़ावा देने की सरकार की कोई योजना है; और

(ड.) यदि हां, तो मध्य प्रदेश राज्य के प्रमुख पारंपरिक खेलों का ब्यौरा क्या है और सरकार द्वारा ऐसे खेलों को बढ़ावा देने के लिए क्या कदम उठाए हैं ?

उत्तर

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री

(श्री अनुराग सिंह ठाकुर)

(क) से (ग): 'खेल' राज्य का विषय होने के कारण ग्राम स्तर पर खेल के मैदानों के निर्माण, कॉलेजों में खेलों को बढ़ावा देने, खेल विश्वविद्यालयों और कॉलेजों की स्थापना, पारंपरिक खेलों को अंतरराष्ट्रीय मान्यता दिलाने के लिए उनका संवर्धन और खेलों के समग्र विकास सहित खेलों के विकास का मुख्य उत्तरदायित्व संबंधित राज्य/संघ राज्य क्षेत्र की सरकारों का होता है। केंद्र सरकार महत्वपूर्ण कमियों को दूर करके उनके प्रयासों की पूर्ती करती है। तथापि, खेलो इंडिया स्कीम के "खेल अवसंरचना के उपयोग और निर्माण / उन्नयन" घटक के तहत, इस मंत्रालय ने राज्यों/ संघ राज्य क्षेत्रों से समय-समय पर प्राप्त प्रस्तावों के आधार पर स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों सहित देश भर में 289 विभिन्न खेल अवसंरचना परियोजनाओं को संस्वीकृत किया है। इस मंत्रालय

ने इंफाल, मणिपुर में राष्ट्रीय खेल विश्वविद्यालय की भी स्थापना की है, जो ऐसा पहला विश्वविद्यालय है, जो चयनित खेल विधाओं के लिए राष्ट्रीय प्रशिक्षण केंद्र के रूप में कार्य करने के साथ-साथ खेल विज्ञान, खेल प्रौद्योगिकी, खेल कोचिंग के क्षेत्रों में शिक्षा को बढ़ावा देता है। यह राष्ट्रीय खेल विश्वविद्यालय पूरे देश के छात्रों की आवश्यकताओं को पूरा करेगा। इसके अलावा, खेलो इंडिया स्कीम के "राष्ट्रीय/क्षेत्रीय /राज्य खेल अकादमियों को सहायता" घटक के तहत, इस मंत्रालय ने देश भर में 247 खेल अकादमियों को प्रत्यायित किया है।

(घ) और (ड.): खेलो इंडिया स्कीम का 'ग्रामीण और देशज /जनजातीय खेलों का संवर्धन घटक विशेष रूप से देश में ग्रामीण और देशज /जनजातीय खेलों के विकास और संवर्धन के लिए है। इस घटक के तहत मलखंब (मध्य प्रदेश का प्रमुख पारंपरिक खेल), कलारिपयाट्टू, गतका, थांग-टा, योगासन और सिलंबम के देशज /पारंपरिक खेलों को बढ़ावा देने के लिए अभिज्ञात किया गया है। इस घटक के तहत अवसंरचना के विकास , उपकरण सहायता, कोचों की नियुक्ति, कोचों के प्रशिक्षण और छात्रवृत्ति के लिए अनुदान स्वीकृत किए जाते हैं। इसके अलावा, इस मंत्रालय द्वारा मलखंब, कलारिपयाट्टू, गतका और थांग-टा के 283 पदक विजेताओं को छात्रवृत्ति (10,000/- रु. प्रति माह, प्रति एथलीट) प्रदान की गई है, जिसमें से मलखंब खेल विधा के 31 विजेता (104 में से) मध्य प्रदेश से हैं। इसके अलावा, हरियाणा के पंचकुला में होने वाले खेलो इंडिया यूथ गेम्स के आगामी संस्करण में मलखंब , कलारिपयाट्टू, गतका, थांग-टा और योगासन को भी शामिल किया गया है।

*****